एनआरसीसी से प्रेरित होकर दक्षिण भारत में मनीकन्दन ने खोला पहला उष्ट्र डेयरी फार्म

मैं राजस्थान में एक खास मंशा को लेकर आया क्योंकि जानकारी के अनुसार ऊँटनी का दूध मधुमेह में काफी लाभदायक होता है। मैं स्वयं इससे लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से ऊँटों से जुड़े भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसन्धान केन्द्र का भ्रमण किया। एनआरसीसी वैज्ञानिकों से इस प्रजाति के संरक्षण एवं विकास हेतु किए जा रहे अनूठे अनुसंधान कार्यों एवं उष्ट्र पर्यटन से जुड़ी जानकारी ने मुझे प्रभावित किया। उष्ट्र डेयरी फार्म की विजिट के दौरान मुझे बताया गया कि ऊँटनी के दूध में औषधीय गुणधर्मों विद्यमान हैं जिनके कारण यह विभिन्न मानवीय रोगों यथा-मधुमेह, क्षय रोग, ऑटिज्म आदि में लाभकारी है। मन में विचार आया कि क्यों ने ऊँटनी के दूध रूपी इस प्राकृतिक संसाधन का इस्तेमाल किया जाए। इस पशु प्रजाति के दूध की औषधीय उपयोगिता व एनआरसीसी द्वारा पिछले लगभग 15 वर्षों से उष्ट्र डेयरी के सफल संचालन का भलीभांति अवलोकन करने के उपरांत मेरे भीतर स्वयं के साथ-साथ हमारे दक्षिण भारत के लोगों को भी इसका लाभ पहुंचाने (प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने) हेतु उष्ट्र दुग्ध डेयरी खोलने की प्रबल उत्कंठा जागीं। लिहाजा मैंने गुजरात क्षेत्र से कुछ ऊँटनियां बच्चों सहित खरीदे और कोयम्बटूर, तमिलनाडु में हमारे अंकुशम ग्रुप के माध्यम से अपना डेयरी फार्म प्रारम्भ किया। ताकि हमारे क्षेत्र में भी ऊँटनी के ताजे दूध का प्रचलन बढ़े । हमने उष्ट्र डेयरी व पर्यटन के माध्यम से ऊँट पशु के साथ लोगों को जोड़ने की मुहिम चलाई ताकि लोगों को इसके बारे में जानकारी दी जा सके। इस कार्य में एनआरसीसी वैज्ञानिकों से लगातार सम्पर्क साधते हुए यहां ऊँटों का बेहतर प्रबंधन किया जा रहा है। हमारे ग्रुप के इस रूझान को देखते हुए एनआरसीसी की टीम द्वारा हमारे कोयम्बटूर स्थित उष्ट्र डेयरी फार्म में दौरा किया गया जिनमें एनआरसीसी के निदेशक डॉ. आर्तबन्धु साहू, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर.के.सावल व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.वेद प्रकाश द्वारा ऊँटों के प्रजनन, जनन, स्वास्थ्य, पोषण, आहार, दूध उत्पादन, उष्ट्र पर्यटन, पशु के बेहतर प्रबंधन आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक जानकारी दी गई । एनआरसीसी बीकानेर द्वारा ऊँटनी के दूध तथा दूध से निर्मित विभिन्न विकसित दुग्ध उत्पादों के अनुसार यहां के लोगों को भी ऊँटनी का दूध पिलाया जा रहा है तथा लोग उत्सुकता से ऊँटों को देखते हुए इसके लाभ जानकर ऊँटनी का दूध सेवन कर रहे हैं।

श्री मणिकन्दन के अनुसार ऊँटनी के दूध की हमारे ग्रुप अंकुशम द्वारा खुले व पैकेजिंग रूप में बिक्री की जा रही है तथा जहां इससे अच्छी आमदनी मिल रही है । बतौर अंकुशम ग्रुप निदेशक मणिकन्दन के अनुसार वे चाहते है कि भविष्य में हम डेयरी प्रसंस्करण कार्य संबंधी योजनाओं पर काम करेंगे ।